

भारत सरकार  
कोयला मंत्रालय

लोक सभा

अतारंकित प्रश्न संख्या : 3412

जिसका उत्तर 09 अगस्त, 2023 को दिया जाना है

कोयला ऊर्जा की खपत

3412. श्रीमती क्वीन ओझा:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विगत चार दशकों में भारत में कोयला ऊर्जा की खपत 700 प्रतिशत बढ़ी है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा विद्युत उत्पादन अथवा घरेलू उपयोग के लिए कोयले की आपूर्ति हेतु उठाए गए कदमों का कोयला क्षेत्र-वार ब्यौरा क्या है; और

(ग) क्या सरकार भारत में और अधिक कोयला क्षेत्रों की खोज कर रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

संसदीय कार्य, कोयला एवं खान मंत्री

(श्री प्रल्हाद जोशी)

(क) : वर्ष 1983-84 में कोयले की कुल खपत 130.73 मि.ट. थी, जबकि वर्ष 2022-23 में यह लगभग 753% की वृद्धि के साथ 1115.02 मि.ट. (अनंतिम) थी।

(ख) : विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति एक सतत प्रक्रिया है। विद्युत क्षेत्र में कोयला आपूर्ति के मुद्दों का समाधान करने के लिए विद्युत मंत्रालय, कोयला मंत्रालय, रेल मंत्रालय, केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए), कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और सिंगरैनी कोलियरीज कंपनी लिमिटेड (एससीसीएल) के प्रतिनिधियों वाला एक अंतर-मंत्रालयी उप-समूह नियमित रूप से बैठकें करता है ताकि ताप विद्युत संयंत्रों को कोयले की आपूर्ति बढ़ाने के साथ-साथ विद्युत संयंत्रों में कोयला भंडार की गंभीर स्थिति को दूर करने सहित विद्युत क्षेत्र से संबंधित किसी भी आकस्मिक स्थिति से निपटने के लिए विभिन्न प्रचालनात्मक निर्णय लिए जा सकें।

इसके अलावा, कोयला आपूर्ति और विद्युत उत्पादन क्षमता में वृद्धि की निगरानी करने हेतु एक अंतर-मंत्रालयी समिति (आईएमसी) का भी गठन किया गया है जिसमें अध्यक्ष, रेलवे बोर्ड, सचिव, कोयला मंत्रालय, सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय और सचिव,

विद्युत मंत्रालय शामिल हैं। सचिव, नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय और अध्यक्ष, सीईए को आईएमसी द्वारा आवश्यकता पड़ने पर विशेष आमंत्रितों के रूप में सहयोजित किया जाता है।

(ग) : अन्वेषण के माध्यम से कोयला और लिग्नाइट खनन के लिए नए क्षेत्रों की खोज एक सतत प्रक्रिया है। कोयला और लिग्नाइट के नए क्षेत्रों के अन्वेषण के लिए कोयला मंत्रालय की केंद्रीय क्षेत्रक स्कीम के माध्यम से एक उप-स्कीम अर्थात् संवर्धनात्मक (क्षेत्रीय) अन्वेषण जारी है। इसके अलावा भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) कोयले सहित खनिजों का अन्वेषण भी करता है।

\*\*\*\*\*